

- Q.1. भारत में जातिगत असमानता को समाप्त करने पर प्रकाश डालिए ।
- Q.2. लड़कियों को शिक्षा को विशेष आवश्यकताओं पर प्रकाश डालिए ।
- Q.3. समावेशी शिक्षा को आवश्यकता महत्व एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए ।
- Q.4. मूलभूत से आपका क्या अभिप्राय है। मूलभूत को विशेषताओं का उल्लेख किजिए ।
- Q.5. एक अच्छे परीक्षण के आवश्यक गुणों का वर्णन किजिए ।
- Q.6. उपन्यासमय परीक्षण क्या है इसके उद्देश्यों एवं प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए ।
- Q.7. विशेष बालकों को आवश्यकताएं कौन-2 सी हैं । पहचान किजिए ।
- Q.8. प्रमस्तिष्कीय वृत्तिग्रस्त बालक कौन-से हैं ।
- Q.9. अधिगम अक्षमता पर प्रकाश डालिए ।
- Q.10. भारतीय समाज में स्त्रियों के पिछड़ेपन के कारणों पर प्रकाश डालिए ।

Q-11. लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सैन-2 से सुझाव दें। विवेचना कि लिए।

Q-12. अविगम अशक्त बालकों की शिक्षा करने में एक अध्यापक की महत्वपूर्ण भूमिका है। वर्णन कि लिए।

Q-13. छात्र - अध्यापक अंतर्क्रियाओं का वर्णन कि लिए।

Q-14. शैक्षिक विद्यालय से क्या अभिप्राय है इसकी प्रक्रियाओं एवं विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Q-15. अध्यापक एवं निरंतर मूल्यांकन का अर्थ स्पष्ट कि लिए। उनके उपयोग एवं सीमाओं पर भी प्रकाश डालिए।

Q-16. नारीवाद के विभिन्न रूपों का वर्णन कि लिए।

Q-17. समावेशी शिक्षा के लिए मूल्यांकन की प्रकृति पर प्रकाश डालिए।

Q-18. अलग-अलग से समावेशन में परिवर्तन क्यों आवश्यक है

Q-19. समावेशी शिक्षा के संदर्भ में अशक्त बालकों हेतु राष्ट्रीय नीति 2006 का परिचय दिजिए।

Q-20. समावेशी शिक्षा में वर्णन की व्यवस्था पर विचार कि लिए।